भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3689

उत्तर दिनांक 03/04/2025 को दिया गया

नए यूरेनियम भंडार

3689. श्री राघव चड्ढा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्यवार और वर्षवार कितने यूरेनियम भंडारों की खोज की गई है और अगले दशक के लिए अनुमानित खनन क्षमता कितनी है;

(ख) यूरेनियम खनन प्रचालनों के विस्तार के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है और क्रियान्वयनाधीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने जादुगुड़ा खदानों में खोजे गए नए यूरेनियम भंडारों का भारत की दीर्घकालिक परमाणु ईंधन सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की एक प्रमुख इकाई, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा पिछले पांच वर्षों में संवर्धित स्वस्थाने यूरेनियम स्रोतों का राज्य-वार एवं वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार हैं:

राज्य	यूरेनियम ऑक्साइड स्रोत (टन में)				
	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 *(दिसम्बर 2024 तक)*
आंध्र प्रदेश	12,966	18,182	19,561	7,450	2,500
झारखंड	5,894	715	3,367	13,100	4,080
कर्नाटक	617	373	-	-	-
राजस्थान	1,861	1,336	-	900	798
कुल	21,338	20,606	22,928	21,450	7,378

प्रारंभिक स्वीकृति 13 परियोजनाओं के लिए दी गई, जिसमें कुछ मौजूदा इकाइयों का क्षमता विस्तार और देश में नई उत्पादन सुविधाओं (खान और संयंत्र) का निर्माण शामिल है। विभिन्न केंद्रीय और राज्य प्राधिकारों से वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने हेतु पूर्व-परियोजना गतिविधियां शुरू की जा चुकी हैं। परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर, अयस्क उत्पादन के संदर्भ में अनुमानित खनन क्षमता लगभग 11.535 मिलियन टीपीए और U_3O_8 उत्पादन के संदर्भ में लगभग 1095 टीपीए के रूप में अनुमानित है।

(ख) चूंकि सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त परियोजनाओं के लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य प्राधिकारों से वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने हेतु पूर्व-परियोजना गतिविधियां शुरू की गई हैं, वर्तमान में इन परियोजनाओं के लिए कोई निधि आवंटित नहीं की गई है। धन आवंटन तब किया जाएगा, जब परियोजना के खाका को अंतिम रूप दिया जाएगा, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा और प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो जाएगी।

(ग) व (घ) हां, हाल के वर्षों में, एएमडी ने जादुगुड़ा उत्तर-बग्लासाई-मेचुआ निक्षेप, पूर्वी सिंहभूम जिला, झारखंड में यूरेनियम ऑक्साइड स्रोत निर्धारित किए हैं; जो जादुगुड़ा यूरेनियम निक्षेप का उत्तर-पश्चिमी विस्तार है। इस खदान से भारत की दीर्घकालिक नाभिकीय ईंधन संरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने की उम्मीद है।

*****